अधिकारों के वर्गीकरण का सिद्धांत

1. अधिकार क्या है। (What are rights)

जब हम व्यक्ति और राज्य के परस्पर संबंध पर विचार करते है। तब बाते सामने आती है। एक व्यक्ति को राज्य से क्या - क्या प्राप्त होना चाहिए, ये उसके अधिकार है। दूसरे व्यक्ति को राज्य के लिए क्या - क्या करना चाहिए, ये उसके कर्तव्य (Duties) है।
अधिकार राज्य के अंतर्गत व्यक्ति को प्राप्त होने वाली ऐसी अनुकूल परिस्थितियां और अवसर है। जिनसे उसे आत्म - विकास में सहायता मिलती है।
हेरल्ड जे. लास्की के अनुसार, अधिकार सामाजिक

जीवन की वे परिस्थितियां है जिनके बिना आम तौर पर कोई व्यक्ति पूर्ण आत्म - विकास की आशा नही कर सकता।

कानूनी अधिकारों के सिद्धांत (Theory of legal Rights)

इस सिद्धांत के अनुसार, अधिकार राज्य की देन है। कानून के विधि - निर्बंध ही अधिकार और अनधिकार की परिभाषा है।

ऐतिहासिक अधिकारों का सिद्धांत Theory of historical rights)

इस सिद्धांत के अनुसार अधिकार इतिहास की देन है। जब रीति - रिवाज लंबे चलन के बाद स्थिर हो जाते है। तब अधिकारों का जन्म होता है। उदाहरण के लिए पति-~~पत्नी~~ पत्नी को एक दूसरे पर क्या - क्या अधिकार है।
इस सिद्धांत की मुख्य त्रुटि यह है कि यह अधिकारों की चर्चा करते समय उचित, अनुचित (Right and Wrong) के प्रश्न को परे रख देता है।